वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 16 शनिवार 11 मई 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

'बोलते रंग' मानवीय भावनाओं एवं संवेदनाओं का बेहतरीन प्रदर्शन : प्रमुख शासन सचिव, पर्यटन विभाग

'बोलते रंग' चित्रकला प्रदर्शनी का जवाहर कला केंद्र में हुआ उद्घाटन

जयपुर. कासं

पर्यटन विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने कहा कि पूर्व आईएएस शुचि शर्मा द्वारा आयोजित चित्रकला प्रदर्शनी 'बोलते रंग' में प्रदर्शित चित्रों में जिस प्रकार मानवीय भावनाओं को रंगों के माध्यम से दर्शाया गया है वह सच में अभिभूत करने जैसा है। उन्होंने कहा कि शुचि शर्मा गत वर्षों से चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन कर रही है एवं प्रत्येक प्रदर्शनी में इनके चित्रों में निखार के साथ परिपक्वता एवं पूर्णता दिखती है। प्रमुख शासन सचिव शुक्रवार को यहाँ जवाहर कला केंद्र में पूर्व आईएएस शुचि शर्मा द्वारा आयोजित चित्रकला प्रदर्शनी का उद्घाटन कर रही थी। इस अवसर पर उन्होंने विधिवत 'बोलते रंग' प्रदर्शनी का उद्घाटन किया एवं वहां प्रदर्शित 102 चित्रों का गहनता से अवलोकन कर शुचि शर्मा से चित्रों एवं चित्रकला की बारीकियों पर भी विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रतिभा को दर्शाने की कोई उम्र नहीं होती और उसे किसी भी वक़्त पर दर्शाया जा सकता है। इस अवसर पर वहां मौजूद स्कूली बच्चों से भी उन्होंने वार्तालाप कर चित्रकला पर चर्चा की।

जवाहर कला केंद्र प्रतिभा प्रदर्शन के लिए बेहतरीन प्लेटफॉर्म

प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने कहा कि उभरती प्रतिभाओं के लिए जवाहर कला केंद्र कला के प्रदर्शन के लिए एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म बन चुका है, फिर युवा हो या अन्य उम्र के कलाकार सभी के लिए यहाँ बेहतरीन अवसर है। इस मौके पर पूर्व आईएएस शुचि शर्मा ने कहा कि प्रशासनिक सेवा के साथ उन्होंने अपने शौक को बनाये रखा। उन्हें हमेशा मानवीय संवेदनाओं के चित्र आकर्षित करते है। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शनी में कुल 102 चित्रों को पानी के रंगों से बनाया गया है साथ ही ऐसी मानवीय भावनाओं को रंग देने की कोशिश की गयी है जो कि वर्तमान परिस्थिति को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि पानी के रंगों की सहायता से चित्रों को अर्थपूर्ण बनाने का प्रयास किया गया है। इस अवसर पर वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों सहित स्कूली बच्चे एवं अन्य दर्शक मौजूद रहे।

पुलिस ने स्वीपर की बेटी की शादी में भरा मायरा...

एडिशनल एसपी गजेंद्र सिंह जोधा भी रहे मौजूद

सीकर. कासं

सीकर पुलिस ने आपसी सहयोग से जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय में नौकरी करने वाले स्वीपर की बेटी की शादी में मायरा भरा। इस कार्यक्रम के दौरान एडिशनल एसपी गजेंद्र सिंह जोधा भी मौजूद रहे। क्राइम ब्रांच के इंस्पेक्टर मनोज भाटीवाड़ के मुताबिक सीकर पुलिस ने आपसी सहयोग से जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय में काम करने वाले स्वीपर चंद्रपाल की बेटी कविता की शादी में मायरा भरा। चंद्रपाल पिछले करीब 20 से 25 साल से जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय में नौकरी कर रहे हैं। ऐसे में उनकी बेटी की शादी का मौका आया तो सभी ने तय करके यह निर्णय लिया। इसके बाद आज मायरे में 51 हजार नगद, 6100 का कन्यादान, चुनड़ी बेस सहित अन्य आइटम दिए गए हैं। मायरे के दौरान सीकर के एडिशनल एसपी गजेंद्र सिंह जोधा, जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय के कई कर्मचारी मौजूद रहे।

मोबाइल फोटोग्राफी कार्यशाला में स्टूडेंट्स ने सीखी बारिकियां, जीते पुरस्कार भी

द स्कॉलर्स एरिना' ने दो दिवसीय फोटोग्राफी कार्यशाला सम्पन्न

उदयपुर. शाबाश इंडिया। द स्कॉलर्स एरिना सीनियर सैकेण्डरी स्कूल में दो दिवसीय मोबाइल फोटोग्राफी कार्यशाला शुक्रवार को सम्पन्न हुई। इसमें पहले दिन मेंटॉर राकेश शर्मा 'राजदीप' एवं खुशवंत सरदलिया ने फोटोग्राफी की उपयोगिता, इसके प्रकार एवं इससे जुड़ी तैयारियें और चुनौतियों के बारे में स्टूडेंन्टस से अनुभव साझा किए। वहीं, दूसरे दिन स्टूडेंट्स को फोटोग्राफी स्किल, कलर ग्रेडिंग, कलर करेक्शन, फोटोशॉप एडिटिंग की ट्रेनिंग दी। बाद में स्कूल परिसर में ही टास्क देकर ऑन द स्पॉट फोटो स्पर्धा आयोजित की। इसमें श्रेष्ठ रहे तीन छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. जैन के नेतृत्व में द स्कॉलर्स एरिना कैमरा क्लब स्थापना की घोषणा भी की गई, जिसका संचालन विदुषी जैन करेंगी। इस दौरान संस्था संरक्षक बी. एल. जैन, प्राचार्य डॉ. लोकेश जैन, निदेशिका डॉ. शर्मिला जैन, संस्थान सचिव विदुषी जैन, उप प्राचार्या एवं निदेशिका डॉ. माया त्रिवेदी, एवं स्वामी नगर शाखा निदेशिका संतोष चुण्डावत, समन्वयक प्रियंका चित्तौड़ा भी उपस्थित थे। ये बने विजेता - लविश गुप्ता, सार्थक मेनारिया, हर्षवर्धन सिंह, विश्वास चौधरी, चेतन्य राव, सामिया कैसर, हंसिका सिंह, कनिका सिंह, हिमांशी त्रिवेदी और प्रिंसेस सुहालका। **-रिपोर्ट/फोटो : योवंतराज माहेश्वरी**

वीआईएफटी के सर्टिफिकेट प्रोग्राम में विद्यार्थियों ने सीखी डिजिटल मार्केटिंग एंड विडियो एडिटिंग की बारीकियां

उदयपुर. शाबाश इंडिया। आज का समय डिजिटल मीडिया और नये नये ग्राफिक उपयोग करके नाम कमाने का है। हर कोई चाहता है कि वो अच्छा शूट करे, एडिट करके सोशल मीडिया के माध्यम से पब्लिक तक पहुंचा सके। लेकसिटी में स्टूडेंटस की मांग को ध्यान में रखकर इन दिनों वीआईवीएफ कॉलेज की ओर से सर्टिफिकेट प्रोग्राम के तहत समय और मार्केट की डिमांड को देखकर कोर्सेस संचालित किये जा रहे हैं। विभिन्न तरह के कोर्सेस में पहले सप्ताह काफी उत्साह देखा गया। संघ चेयरपर्सन आशीष अग्रवाल ने बताया कि वेंकटेश्वर इंस्टीस्ट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी एंड मास कम्युनिकेशन (वीआईएफटी) कॉलेज में मार्केट ट्रेंड और स्टूडेंट्स के करियर को ध्यान में रखकर किताबी ज्ञान के साथ अन्य गतिविधियां भी करवायी जाती हैं। इस साल विशिष्ट सर्टिफिकेट कॉर्सेस विषय विशेषज्ञों द्वारा करवाये जा रहे हैं। इस प्रोग्राम के पहले सप्ताह में डिजिटल मार्केटिंग, ग्राफिक डिजाइनिंग और विडियो एडिटिंग की क्लासेज लगायी गयी, जिसमें 70 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसमें आगे स्पोकन इंग्लिश एंड पब्लिक स्पीकिंग, हेयर स्टाइलिंग, मेकअप एंड टेटू आर्ट, आर जे एंड एकरिंग, प्रोफेशनल फोटोग्राफी, ड्रेपिंग एंड ज्वेलरी मेकिंग, मॉडल मेकिंग इन इंटीरियर, फामेर्सी फोर बेटर लाइफ, फ्रेंच लैंग्वेज, फिजियोथैरेपी फोर पेनलेस लाइफ कोर्सेस करवाए जाएंगे, जिसके लिए 150 से अधिक पंजीयन हो चुके हैं। बता दें, कॉलेज में इंटीरियर, फैशन डिजाइन, बीबीए, एमबीए, फाइन आर्ट्स, मास कम्युनिकेशन कोर्सेज करवाए जाते हैं।

-रिपोर्ट/ फोटो : दीपक सिंघल

जैन समाज गौरवान्वित हुआ

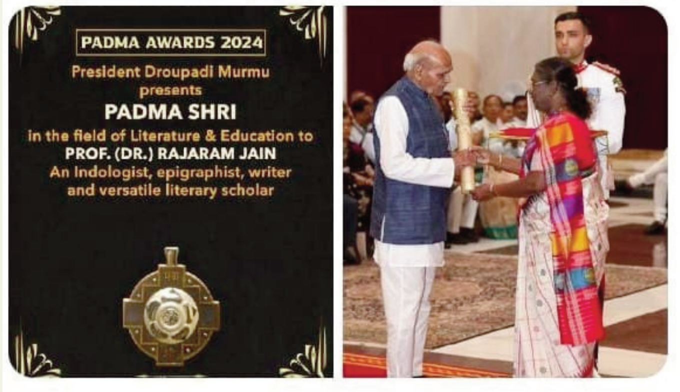

राजेश जैन दद्दू

जैन रत्न समाज गौरव सुप्रसिद्ध शिक्षा विद जैन मुर्धान्य विद्वान डॉ राजाराम जैन को भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्री द्रौपदी मुर्मू जी के द्वारा राष्ट्रपति भवन में पद्मश्री अलंकरण पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जैन समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने कहा कि समग्र जैन समाज के लिए बहुत ही गौरव शाली क्षण रहे। इस सम्मान से इंदौर दिगम्बर जैन समाज समाजिक सांसद के मंत्री डॉ जैनेन्द्र जैन महावीर ट्रस्ट के अध्यक्ष अमित कासलीवाल फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विनायका मिडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू सुशील पांड्या हंसमुख गांधी टीके वेद परवार समाज महिला संगठन की अध्यक्ष श्रीमती मुक्ता जैन सारिका जैन पुष्पा जी कासलीवाल आदि समाज जनों ने आप के यशस्वी जीवन की मंगल कामनाएं प्रेषित कर बधाई दी।

अक्षय तृतीया पर राहगिरों को पिलाया गन्ने का रस

सुजानगढ़. शाबाश इंडिया

नगर की अग्रणी सामाजिक संस्था सुजलांचल विकास मंच समिति के तत्वावधान में कंवरीलाल सुमित्रा देवी काला जयपुर प्रवासी के सौजन्य से अक्षय तृतीया के अवसर पर राहगिरों को गन्ने का रस पिलाया गया। जिसका शुभारंभ समाजसेवी बसंत कुमार पाटनी गुवाहाटी प्रवासी ने किया। समिति के उपाध्यक्ष महावीर प्रसाद पाटनी ने बताया कि जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ ने जब अयोध्या का राज पाट अपने दोनो पुत्रो भरत और बाहुबली को सौंप कर तपस्या करने हिमालय के वनों में चले जाते हैं और फिर वर्षो की कठिन तपस्या के बाद जब वापिस हस्तिनापुर नगर में प्रवेश करते हैं तो हस्तिनापुर के राजा श्रेयांश ने अक्षय तृतीया के दिन भगवान का गन्ने के रस से आहार पान करवाकर पारणा करवाया था। तब से लेकर आज तक ये दिन आखा तीज के नाम से जैन समुदाय में जाना जाता है जैन समुदाय में इस दिन का बड़ा महत्व है। समिति सचिव विनीत कुमार बगड़ा ने समिति द्वारा संचालित सेवा प्रकल्पो से अवगत करवाते हुए भावी योजनाओं की जानकारी दी। समिति अध्यक्ष श्रीमती उषा बगड़ा ने कहा कि गर्मी के मौसम में पीने के पानी की समस्या रहती है उसकी के चलते राजकीय बगड़िया चिकित्सालय,रेलवे स्टेशन प्रांगण में शीतल जल की व्यवस्था भामाशाओ के सहयोग से शुरू की गई है। इस दौरान श्री दिगम्बर जैन समाज के उपाध्यक्ष लालचंद बगड़ा, समाजसेवी बाबूलाल दुगड़, श्रीमती मीनू देवी बगड़ा उपस्थित थे।

जेएसजी जनक ग्रुप द्वारा परिंडे लगाये गये

जयपुर. शाबाश इंडिया। पत्रिका गेट जवाहर सर्किल जेएलएन मार्ग पर, आखातीज के अवसर पर गर्मी को देखते हुए जेएसजी जनक ग्रुप की तरफ से अध्यक्षा रश्मि अनिल जैन ने आज 10 मई को रिक्शा एवं ऑटो चालक को पानी की बोतल वितरित की एवम् पक्षियों के लिए परिंडे लगाये, संस्थापक अध्यक्ष विमलेश प्रियंका राणा, मनोज स्मिता नेहा पूनम आदि मेंबर्स उपस्थित रहे।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर शास्त्री नगर में भगवान परशुराम जी की नियमित पूजा प्रारम्भ

परशुराम जी की हुई प्राण प्रतिष्ठा। प्रदेश में 100 मूर्तियों की प्राण-प्रतिष्ठा कराने का संकल्प लिया, 15 मई को शस्त्र पूजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। सर्व ब्राह्मण महासभा की और से आराध्य भगवान परशुराम जी की प्राण प्रतिष्ठा शास्त्री नगर स्थित कांवटिया सर्किल पर स्थित पीपलेष्वर महादेव मंदिर में पूर्ण विधि विधान से हजारो ब्राह्मणों की उपस्थिति में हुई और आज से यहां भगवान परशुराम जी का नियमित पूजन अर्चन प्रारम्भ हो गया है। कार्यक्रम संयोजक आशीष पराशर ने बताया कि इस अवसर पर 11 विद्वान पण्डितों से विधि विधान से वैदिक मंत्रो के साथ भगवान की प्राण प्रतिश्ठा की। मुख्य यजमान रोहित शर्मा धर्मपत्नी सरोज ने प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व पंचकुण्डीय यज्ञ, गणेश मण्डल पूजन, अर्चना, जलाधिवास, अन्नाधिवास, माहान्यास प्राण प्रतिष्ठा के साथ परशुराम जी की प्राण प्रतिश्ठा की गई।इस अवसर पर विभिन्न अधिवास, स्नान, अभिषेक किया गया।पण्डितों ने ''तन्नो परषुराम प्रचोदयात'' मंत्र के साथ हवन में आहूतिया अर्पित की। पुरूशुक्त से भगवान परशुराम जी का विधिवत पूजन कर प्राणो का आह्वान किया गया। इस अवसर पर नगर परिक्रमा के भाव से पहले मूर्ति की यात्रा निकाली गई।जिसमें षंक, ध्वनी, घण्टे-घडियाल बजाते हुये परषुराम जी के जयकारे के साथ तपती धूप में सैंकडो महिलायो और श्रद्वालुओं ने नंगे पाव परिक्रमा की। इसके बाद प्रतिमा को विराजमान कर महाआरती की गई। इस अवसर पर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने घोशणा की है कि हर वर्ष जयपुर के प्रमुख मंदिरों में भगवान परशुराम जी की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जा रही है। आज जयपुर में 32वीं भगवान परशुराम जी की प्राण प्रतिष्ठा हुई है और आज हम संकल्प लेते है कि जयपुर में 100 मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा की जायेगी। साथ ही मिश्रा ने राज्य सरकार से मांग की है कि सरकार हमें जल्द से जल्द जमीन उपलब्ध करवाये। जिससे की भगवान परशुराम पीठ की स्थापना की जा सके। महासभा ने 111 फीट की भगवान परशुराम जी की मूर्ति लगाने का अभियान भी चला रखा है।

55 वी वैवाहिक वर्षगांठ पर कारागृह पक्षियों के लिए परिंडे और बंदियों के लिए मटके लगाये

जिला कारागृह में मिट्टी के बर्तन में परिंदों के लिए दाना-पानी की व्यवस्थता की

सीकर. शाबाश इंडिया। गर्मी में जल को अमृत के समान माना जाता है। मनुष्य को प्यास लगती है, तो वो कहीं भी अपनी प्यास बुझा लेता है लेकिन, बेजुबान परिंदो के लिए गर्मी से निजात पाना काफी मुश्किल होता है। इसको देखते हुए आज जिला कारागृह में महावीर प्रसाद संतोष देवी ठोलिया ने अपनी 55 वी वैवाहिक वर्षगांठ और पुत्री कीर्ति जैन के जन्म दिवस पर सराहनीय कदम उठाया जेल परिसर में पेड़ों पर मिट्टी के बर्तन में परिंदों के लिए दाना-पानी की व्यवस्थता की। गर्मी की वजह से किसी भी पक्षी की भूख-प्यास से मौत नहीं हो इससे गर्मियों में पानी के लिए भटकने वाले पक्षियों की प्यास बुझाकर कुछ राहत पहुंचाई जा सकेगी और साथ ही जेल के बंदियों के लिए मटके लगाएं। लु के प्रभाव को देखते हुए बंदियों के लिए मटके लगाए। समय समय पर पक्षियों के लिए दाना पानी की व्यवस्था करने का संकल्प जेल प्रशासन द्वारा लिया गया जेल के अन्य स्थानों पर परिंडे लगाने का संकल्प भी लिया। इस दौरान उपाधीक्षक रामकिशन मीणा,डॉ विकास बाजिया,जेलर कुलदीप, डिप्टी जेलर निसार,हेड कांस्टेबल मणीराम,आर ए एसी हेड कांस्टेबल महेश आदि जेल स्टाफ और महावीर प्रसाद ठोलिया, राजकुमार पिराका,आलोक काला,जयकुमार छाबड़ा,प्रियंक जैन मौजूद थे।उपाधीक्षक रामकिशन मीणा डॉ. विकास बाजिया ने बताया कि गर्मियों में परिंदों का अस्तिव खतरे में पड़ जाता है. क्योंकि तेज धूप के कारण कई पक्षियों की पानी की कमी के कारण मौत हो जाती है. हम अपने थोड़े से प्रयास से घरों के आस-पास उड़ने वाले चिड़ियों की प्यास बुझाकर उनकी जिंदगी को बचा सकते हैं। संस्था की इस मुहिम की लोग खूब तारीफ कर रहे हैं। उनका कहना है कि अगर इस तरह की सोच सभी की हो जाए, तो परिंदों के अस्तित्व का बचाया जा सकता है।प्रियंक जैन ने कहा कि पक्षियों के लिए बंदियों के लिए पानी की व्यवस्था करना पुनीत कार्य हैं। महावीर प्रसाद संतोष देवी ठोलिया ने अपनी 55 वी वैवाहिक वर्षगांठ पर पक्षियों के लिए जो व्यवस्था करी है वह सहरानीय है।

वेद ज्ञान

जीवन में संगठन का महत्व

मनुष्य के जीवन में संगठन का बड़ा महत्व है। अकेला मनुष्य शक्तिहीन है, जबकि संगठित होने पर उसमें शक्ति आ जाती है। संगठन की शक्ति से मनुष्य बड़े-बड़े कार्य भी आसानी से कर सकता है। संगठन में ही मनुष्य की सभी समस्याओं का हल है। जो परिवार और समाज संगठित होता है वहां हमेशा खुशियां और शांति बनी रहती है और ऐसा देश तरक्की के नित नए सोपान तय करता है। इसके विपरीत जो परिवार और समाज असंगठित होता है वहां आए दिन किसी न किसी बात पर कलह होती रहती है जिससे वहां हमेशा अशाति का माहौल बना रखता है। संगठित परिवार, समाज और देश का कोई भी दुश्मन कुछ नहीं बिगाड़ सकता, जबकि असंगठित होने पर दुश्मन जब चाहे आप पर हावी हो सकता है। संगठन का प्रत्येक क्षेत्र में विशेष महत्व होता है, जबकि बिखराव किसी भी क्षेत्र में अच्छा नहीं होता है। संगठन का मार्ग ही मनुष्य की विजय का मार्ग है। यदि मनुष्य किसी गलत उद्देश्य के लिए संगठित हो रहा है तो ऐसा संगठन अभिशाप है, जबकि किसी अच्छे कार्य के लिए संगठन वरदान साबित होता है। प्रत्येक धर्म ग्रंथ संगठन और एकता का संदेश देते हैं। कोई भी धर्म आपस में बैर करना नहीं सिखाता। सभी धर्मों में कहा गया है कि मनुष्य को परस्पर प्रेमपूर्वक वार्तालाप करना चाहिए। मनुष्य जब एकमत होकर कार्य करता है तो संपन्नता और प्रगति को प्राप्त करता है। संगठन में प्रत्येक व्यक्ति का विशेष महत्व होता है इसलिए जब मनुष्य संगठित होकर कोई कार्य करता है तो उसके परिणाम में विविधता देखने को मिलती है। जिस तरह प्रत्येक फूल अपनी-अपनी विशेषता और विविधता से किसी बगीचे को सुंदर व आकर्षित बना देते हैं उसी तरह मनुष्य भी अपनी-अपनी विशेषता और योग्यता से किसी भी कार्य को नया आयाम प्रदान कर सकते हैं। यह भी संभव नहीं है कि किसी विषय पर सभी व्यक्तियों का मत एक जैसा ही हो, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति किसी विषय या समस्या को अपने नजरिये से ही देखता है और इसी आधार पर उसका समाधान भी खोजता है, लेकिन जब बात संगठन की आती है तब मनुष्य को वही करना चाहिए जिससे ज्यादा से ज्यादा लोगों का भला हो।

संपादकीय

भ्रष्टाचार का मामला बेहद चिंताजनक

इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि अस्पताल जैसी जिस जगह पर लोग अपनी किसी गंभीर बीमारी का इलाज कराने, जान बचाने की भूख में जाते हैं, वहां अन्य कर्मचारियों से लेकर खुद कुछ चिकित्सक तक उनकी सेहत को कई बार दांव पर लगा देते हैं। सीबीआइ ने छानबीन के बाद दिल्ली के राममनोहर लोहिया अस्पताल में चल रहे जिस भ्रष्ट तंत्र का खुलासा किया है, वह बेहद चिंताजनक है। गौरतलब है कि इस अस्पताल के दो चिकित्सकों सहित ग्यारह लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जो एक ओर रिश्वत के बदले वहां कुछ खास कंपनियों के उत्पाद के कारोबार को बढ़ावा दे रहे थे, वहीं मरीजों पर भर्ती होने के लिए पैसे भी लिए जाते थे। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि खबरों के मुताबिक, किसी गर्भवती के परिजन जब तक रिश्वत की रकम नहीं चुकाते थे, तब तक उन्हें वार्ड में जगह नहीं दी जाती थी। मरीजों और उनके परिजनों को धमकाने के भी आरोप हैं। हैरानी की बात यह है कि देश की राजधानी में सबसे अहम माने जाने वाले अस्पतालों में से एक में इस तरह का भ्रष्टाचार धड़ल्ले से चल रहा था और उस पर किसी की नजर नहीं जा रही थी या फिर जानबूझ कर उसकी अनदेखी की जा रही थी। माना जाता है कि देश की राजधानी होने के नाते दिल्ली में चिकित्सा व्यवस्था की तस्वीर चाकचौबंद होगी और यहां इस तरह के भ्रष्टाचार की गुंजाइश नहीं बन सकती। मगर इस जाने-माने अस्पताल में कुछ चिकित्सकों, नर्सों और अन्य कर्मचारियों ने रिश्वत के बदले कुछ खास कंपनियों के उत्पादों और उपकरणों के कारोबार को जिस तरह बढ़ावा दिया, वह हैरान करने वाला है। सवाल है कि इस भ्रष्टाचार को खुद अस्पताल के तंत्र के भीतर या फिर सरकार के संबंधित महकमों की नजर और फिर कार्रवाई के दायरे में आने में इतना वक्त कैसे लग गया? चिकित्सा उपकरणों की आपूर्ति और उनके उपयोग पर नजर रखने के लिए क्या वहां कोई व्यवस्था नहीं है? अगर है, तो कुछ खास कंपनियों के सामानों पर लगातार मेहरबान होने पर किसी को शक क्यों नहीं हुआ? अगर मरीजों से गलत तरीके से पैसे वसूले जाते थे या फिर कुछ खास ब्रांड के उत्पाद ही लेने पर मजबूर किया जाता था, तो यह इतनी देर से पकड़ में क्यों आया? जाहिर है, भ्रष्टाचार का यह दुश्चक्र अस्पताल के कुछ डाक्टर और अधिकारियों या कर्मचारियों की मिलीभगत के बिना नहीं चल रहा होगा। यह छिपा तथ्य नहीं है कि कई बार मरीजों को कुछ डाक्टर गैरजरूरी दवाइयां लेने की सलाह भी देते हैं। दवा या चिकित्सा उपकरणों के कारोबार को बढ़ावा देने के एवज में दवा कंपनियों की ओर से डाक्टरों को दुनिया के अलग-अलग देशों के दौरे पर ले जाने या महंगा तोहफा देने के प्रस्ताव की खबरें आम रही हैं। इस तरह के मामले पहले भी सामने आते रहे हैं, जिसमें किसी खास दवा कंपनी से धन या सुविधाओं के बदले डाक्टर मरीजों को वैसी दवाएं लेने या जांच कराने की सलाह दे देते हैं, जो निहायत ही गैरजरूरी होती हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

संकट के बादल

अभी ज्यादा दिन नहीं बीते हैं, जब विस्तारा एयरलाइन की एक के बाद दूसरी उड़ानें रद्द हो रही थीं। अब एअर इंडिया एक्सप्रेस की 70 से अधिक उड़ानें इसलिए रोकनी पड़ीं, क्योंकि मंगलवार की देर रात से उसके क्रू मेंबर अचानक बीमार हो गए। यह बीमारी दरअसल विरोध जताने का उनका एक तरीका है। वे एअर इंडिया एक्सप्रेस और एअर इंडिया के विलय के खिलाफ हैं। उनका मानना है कि इससे उनके वेतन-भत्ते पर व्यापक असर पड़ सकता है। विस्तारा के साथ भी यही मामला था, एअर इंडिया के साथ उसके विलय को लेकर आपत्तियां हैं। हालांकि, एअर इंडिया एक्सप्रेस ने ऑपरेशनल कारणों से सेवाएं रद्द होने की बात कही है। असल में, जब से टाटा समूह ने एअर इंडिया को अपने अधीन लिया है, तब से किसी न किसी वजह से यह समूह सुर्खियों में है। ताजा घटनाक्रम में घरेलू ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को भी रद्द करना पड़ा। इस प्रकार जब अचानक उड़ानें रद्द होती हैं, तो अनेक लोगों की नौकरियों पर बन आ सकती हैं, कुछ लोगों तक जरूरी इलाज नहीं पहुंच सकता है और कुछ मनोरंजन या अपने अन्य उद्देश्यों से दूर हो सकते हैं। यानी, जीवन-मरण के प्रश्नों से लेकर पर्यटन शादी, नौकरी तक के मामले इससे जुड़े हो सकते हैं। यही कारण है कि उड़ानों का रद्द होना निजी ही नहीं, राष्ट्र के लिए भी नुकसानदेह होता है। संगठनात्मक दृष्टि से टाटा समूह के पास इस समय चार एयरलाइंस हैं, जिनमें एअर इंडिया को उसने भारत सरकार से खरीदा है। इसके अलावा, उसके पास विस्तारा, एअर इंडिया एक्सप्रेस और एयर इंडिया एक्सप्रेस कनेक्ट (एअर एशिया) है। टाटा ने इन चारों सेवाओं के आपस में विलय की योजना बनाई है, लेकिन कर्मचारियों, पायलटों व उनकी यूनियनों के साथ प्रबंधन के टकराव के कारण यह कार्य काफी कठिन होता जा रहा है। इसमें विस्तारा एयरलाइन को प्रीमियम सेवा माना जाता है और उसके कर्मियों का वेतन काफी अच्छा है। जबकि, एअर एशिया की हालत काफी खराब है, इसलिए उसके कर्मियों के वेतन-भत्ते काफी कम हैं। दिक्कत यह है कि जब कंपनियों का विलय होता है, तो तमाम स्तरों पर समानता का प्रयास किया जाता है। टाटा की मुश्किलों की यही जड़ है। जिनको ऊंचा वेतन मिलता है, उनको वेतन-कटौती का डर सता रहा है, इसलिए विरोध की आवाजें उठ रही हैं। विमानन कंपनी और सरकार इस मसले को सुलझाने का प्रयास कर रही हैं, लेकिन ध्यान देने वाली बात यह है कि ऐसे किसी घटनाक्रम में यात्रियों को परेशानी नहीं होनी चाहिए, लेकिन यहां इसके उलट ही हो रहा है। ऐसे में, कोई यात्री आखिर क्या करे? इसके लिए नागरिक उड्डयन महानिदेशक ने कुछ दिशा-निर्देश जारी किए हैं। मसलन, यदि दो घंटे के अंदर यात्री चाहे, तो दूसरी फ्लाइट में अपने गंतव्य के लिए टिकट ले सकता है। इसी तरह, विमानन कंपनी का भी यह फर्ज है कि वह अगली फ्लाइट में यात्री को जगह देने का प्रयास करे। दूसरा, यदि यह संभव नहीं है, तो यात्रियों के लिए भोजन-ठहरने की उचित व्यवस्था करनी चाहिए और किसी दूसरी फ्लाइट से जल्द ही उनको गंतव्य की ओर भेजना चाहिए या पैसे रिफंड का विकल्प उनको देना चाहिए। यदि यात्री रिफंड लेता है, तो उसे दोगुना रिफंड का प्रावधान है, इसलिए अधिकांश विमानन कंपनियां यात्रियों को किसी दूसरे विमान से ही भेजने का प्रयास करती हैं।

VOTE & SUPPORT
All 15 Candidates
united jewellers group
आलोक सोंखिया
नीरज लुणावत
अभिषेक सांड (सावियो ज्वैलरी)
अजय गोधा
अनिल ताम्बी
अशोक माहेश्वरी (बागला)
गोविन्द प्रकाश अग्रवाल (एंटीक्यूरेट)
गोविन्द कुमार गुप्ता (डंगायच)
केदार गुप्ता
महावीर कुमार डागा (MLD)
प्रकाश कुमार बेंद
राजू मंगोडीवाला
सुनील कुमार गुप्ता (एमरल्ड टॉवर)
सुनील नाहर
विष्णु मेठी (HMV)
JEWELLERS ASSOCIATION JAIPUR ELECTION
Date : 25th May 2024, Time : 8.00 AM to 5.00 PM
Venue : Janupyogi Bhawan, Janta Colony, Jaipur

मन्दिर का विहंगम दृश्य

मूलनायक प्रतिमा श्री 1008 पद्मप्रभ भगवान

चरण छत्री

विश्व प्रसिद्धश्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा, जयपुर

की पावन धरा में

बैशाख शुक्ला पंचमी संवत् 2001 (सन् 1944)

को श्री 1008 पद्मप्रभ भगवान की दिगम्बर जैन अतिशयकारी एवं मनोज्ञ प्रतिमा का भू-गर्भ से प्रादुर्भाव हुआ।

80वाँ प्रतिमा प्रादुर्भाव दिवस

के मंगल अवसर पर

रविवार, 12 मई 2024

(मिती बैशाख शुक्ला पंचमी संवत् 2081) को

भव्य धार्मिक समारोह

आयोजित किया जा रहा है।

मांगलिक कार्यक्रम

रविवार, 12 मई 2024

प्रात: 6.15 बजे -	मूलनायक प्रतिमाजी के स्वर्ण कलशाअभिषेक एवं
प्रात: 7.30 बजे -	दिव्य महाशान्तिधारा
प्रात: 7.45 बजे -	भव्याति भव्य शोभा यात्रा (मूल मंदिर से चरण छतरी)
प्रात: 8.15 बजे -	चरण छतरी में स्थापित श्री पद्मप्रभ भगवान जी के चरण कमल का भव्य दुग्धाभिषेक एवं पद्मप्रभ जिनालय में पंचामृत जिनाभिषेक
प्रात: 10.00 बजे से-	सभी बन्धुओं का वात्सल्य भोज
दोपहर 12.00 बजे से-	मूल मंदिर जी में साजो पर पद्मप्रभ विधान पूजन
सायं 7.00 बजे -	दिव्य महाआरती

सभी धर्म प्रेमी बन्धुओं से सानुरोध निवेदन है कि सपरिवार पधार कर धर्म लाभ प्राप्त करें।

सुधीर कुमार जैन
अध्यक्ष

विनीत :

हेमन्त सौगानी
मानद मंत्री

मंत्री कार्यालय
एच-24, चितरंजन मार्ग,
सी-स्कीम, जयपुर-1
फोन नं. 0141-2375506

एवं समस्त प्रबन्ध समिति
श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा (बाड़ा) जयपुर

क्षेत्र कार्यालय
पोस्ट-बाड़ा पद्मपुरा
जिला-जयपुर
फोन नं. 9057903365

पुलक मंच परिवार द्वारा गौशाला में गायों को गुड़, चारा एवं लापसी वितरित की

किशनगढ़, अजमेर. शाबाश इंडिया

भारत गौरव आचार्य पुलक सागर जी गुरुदेव के 54वें अवतरण दिवस पर आयोजित त्रिदिवसीय पुलक पर्व के तहत आज द्वितीय दिवस पुलक मंच परिवार द्वारा सुग्रीव गौशाला मे गायों को गुड़, चारा एवं लापसी वितरित की गई। कार्यक्रम के संयोजक मांगीलाल झांझरी एवं अभिषेक बज ने जानकारी देते हुए बताया प्रातः 9 बजे शहर के प्राचीन सुग्रीव मंदिर स्थित सुग्रीव गौशाला मे पुलक मंच परिवार के सदस्यों ने गौमाता को गुड़, चारा एवं लापसी खिलाई एवं मंदिर मे सुग्रीव जी के दर्शन किये एवं वयोवृद्ध संत महाराज जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महावीर प्रसाद, सुभाषचंद, अशोक कुमार, संजय गंगवाल (कटारिया) परिवार थे। गौशाला कार्यक्रम मे मंच अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश बैद, जीतू पाटनी, कमल बैद, नरेश झांझरी, पुरण टोंग्या, मांगीलाल झांझरी, मनोज दोसी, मुकेश पापड़ीवाल, राजकुमार बोहरा, सुनील भानावत, पवन झांझरी, संदीप पापड़ीवाल, अभिषेक बज, अरविन्द बैद, अंकित सेठी के साथ महिला मंच से नीलू झांझरी, सपना भानावत, शिल्पी पाटनी, रेखा टोंग्या, ओशिका अजमेरा, राजकुमारी बोहरा, ममता बड़जात्या, संगीता झांझरी, शर्मिला दोसी, रीना बज, ध्वनि झांझरी सहित मंच के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

अक्षय तृतीया पर्व बड़े हर्ष उल्लास के साथ मनाया

नौगामा. शाबाश इंडिया

अक्षय तृतीया महापर्व की उपलक्ष में आज प्रातः 1008 आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर 1008 भगवान महावीर समवशरण मंदिर सुखोदव तीर्थ नसिया जी, में अक्षय तृतीया के उपलक्ष में विशेष शांति धारा अभिषेक किया गया। अभिषेक करने का प्रथम सौभाग्य पिंडारमियां मेहुल कैलाश चंद्र पिडारमिया धारश राजेंद्र, पिंडारमिया तुभ्यं प्रदीप रतनलाल, सोहनलाल लूणजी को प्राप्त हुआ इस अवसर पर आज सभी मंदिरों में अक्षय तृतीया की पूजन एवं भगवान आदिनाथ की पूजन बड़े भक्ति भाव से की गई इस अवसर पर विधानाचार्य रमेश चंद्र गांधी ने बताया कि अक्षय तृतीया का जैन धर्म में बहुत महत्व है आज के दिन प्रथम तीर्थंकर आदि प्रभु आदिनाथ ऋषभदेव 1 वर्ष का कठिन उपवास कर इसी दिन राजा श्रेयांश के द्वारा आहार दान के रूप में ईक्षु रस आज ग्रहण किया था। जैन धर्म में अक्षय तृतीया का बड़ा महत्व है दान एवं पुण्य कमाने का महत्व है अक्षय का अर्थ है कभी क्षय (नाश) नहीं होने वाला अक्षय तृतीया अपने आप में स्वयं सिद्ध मुहूर्त है कोई भी शुभ कार्य का शुभारंभ किया जा सकता है इस अवसर पर जैन समाज नौगामा के सभी धर्म प्रेमी बंधुओ ने वागड़ के बड़े बाबा आदिनाथ का 108 कलशो से शांति धारा का लाभ लिया एवं दान पुण्य का लाभ लिया। कार्यक्रम का संचालन भरत पंचोरी वीना दीदी द्वारा किया गया उक्त जानकारी जैन समाज प्रवक्ता सुरेश चंद्र गांधी द्वारा दी गई।

अक्षय तृतीया श्री आदिनाथ भगवान का प्रथम पारणा दिवस मनाया गया

प्रकाश पाटनी.शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। बापू नगर स्थित श्री पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर में अक्षय तृतीया श्री आदिनाथ भगवान का प्रथम पारणा दिवस को हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। प्रातः राजेंद्र सोगानी ने श्री आदिनाथ भगवान पर 108 रिद्धि मन्त्रों द्वारा अभिषेक कर शांतिधारा की गई। लक्ष्मीकांत जैन, ज्ञान चंद गदिया, सुकेश सोगानी, कमलचंद गंगवाल परिवार ने शांतिनाथ एवं पार्श्वनाथ भगवान पर शांतिधारा की। इस उपरांत आदिनाथ भगवान की भक्ति-भाव से पूजा-अर्चना कर अर्घ समर्पण किये। समापन पर मंदिर के समीप सुकेशकुमार सोगानी एवं कमलचंद गंगवाल पुण्यार्जक परिवार द्वारा सभी को गन्ने का ईक्षु रस वितरण किया गया। बड़ी संख्या में समाजजनों ने प्रसादि स्वरूप ईक्षु रस का सेवन किया।

अक्षय तृतीया दान दिवस पर जैन समाज ने सेवा कार्य किए

किसी जीव को जीवन जीने का साधन देना ही सबसे बड़ा जीवनदान है

अक्षय का मत जिसका क्षय (नास) नहीं होता है इसीलिए इस दिन शुभ कार्य का शरुआत की जाती है...

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। युग प्रवर्तक देवाधिदेव भगवान, 1008 आदिनाथ को एक वर्ष 39, दिवस उपवास के पश्चात प्रथम आहार राजा श्रेयांस के यहां होने से दान देने की प्रथा की शुरूआत अक्षय तृतीया दान दिवस के रुप में हुई थी इसलिए इस दिवस का सभी धर्मों में बड़ा महत्व है। जैन समाज के दारा श्री जैन वीर मंडल कुचामन सिटी के तत्वावधान मे अध्यक्ष सौभागमल गगवाल सचिव देवेन्द्र पहाडिया। उप सचिव अशोक झाझरी के सानिध्य मे अक्षय तृतीया दान दिवस पर गौमाता, बेजुबान पक्षियों मानव दिव्यागा सेवा में अक्षय तृतीया दान दिवस पर कुचामन, गौशाला, शाकम्भरी गौशाला समरिया सागर गौशाला मे सुबह 7 बजे से 9 बजे तक हरा-चारा गुड पानी के टेकर डलवाकर जीवदया सेवा की। अन्नपुर्णा रसोई मे सुबह सायंकाल मिठाई खिलाकर 200 जरुमदमद को भोजन कराया जाएगा, लाचार बीमार असहाय जन का आवास अपना घर मे सभी 60 प्रभुजी, को अल्पाहार मिठाई के साथ दोनो समय भोजन, मूक बधिर नेत्रहीन आवासीय सम्पर्क विधालय के बालक बालिकाओं को दोनों समय भोजन कराया गया। बेजुबान पक्षियो के लिए ज्वार दाना खिलाकर व परिन्डे लगाए गए अक्षय तृतीया दान दिवस मनाया जाएगा।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

आदिनाथ के प्रथम पारणा दिवस पर हुआ भव्य कार्यक्रम

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे में अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर जैन धर्म के प्रवर्तक एवं प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ के प्रथम पारणा दिवस पर पारस कुमार जैन नला वालों को राजा श्रेयांश बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया की उक्त दिवस पर आज पार्श्वनाथ चैताल्य के अग्रवाल सेवा सदन में प्रथम पारणा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में एक मुनि, एक छुल्लक, चार आर्यिका माताजी के पड्गाहन का दृश्य देखने काबिल था, उक्त समय पड्गाहन का दृश्य देखने हेतु सारा सकल जैन समाज उपस्थित था, जिसमें बालाचार्य निर्पूण नंदी जी महाराज ने पड्गाहन की विधि न मिलने पर सभी चोका लगाने वाले श्रावकों के चार पांच चक्कर लगाये बाद में कपूर चंद, पारस कुमार ,राजकुमार ,आर्जव कुमार, उर्मिला जैन, रानी जैन नला वाले परिवार के पड्गाहन विधी मिलने पर पारस कुमार नला ने राजा श्रेयांश के रूप में मुनि श्री को प्रथम पारणा करवाया। अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा तथा मंत्री कमलेश चोधरी ने अवगत कराया कि प्रथम पारणा दिवस पर सारे सकल जैन समाज को ईक्षु रस पिलाया गया, क्योंकि आज के दिन जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ को प्रथम पारणा दिवस पर हस्तिनापुर में मुनि आदि कुमार के रूप में 13 माह बाद प्रथम आहार के रूप में ईक्षु रस से पारणा कराया गया था। कार्यक्रम में दोपहर को बालाचार्य निर्पूण नंदी जी महाराज के द्वारा बनाए गए प्रश्नों का उत्तर देने वाले को पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया। इसी कड़ी में राजा श्रेयांश बने पारस कुमार जैन नला वाले के आवास से सामूहिक रूप से सारे सकल जैन समाज के सानिध्य में मंदिर तक आरती लाई गई तथा मुनि संघ की भव्य आरती कर मंगलमय आशीर्वाद प्राप्त किया इसी कड़ी में राजा श्रेयांश की बग्गी के द्वारा नगर भ्रमण कराते हुए बिंदोरी निकाली गई तथा जगह-जगह राजा श्रेयांश पर समाज द्वारा फूलों की बारिश की गई। कार्यक्रम में कपूरचंद जैन नला वाले, मोहनलाल झंडा, समाजसेवी सोहनलाल झंडा , रामस्वरूप जैन मंडावरा, कैलाश कलवाड़ा, चंपालाल जैन, कैलाश कासलीवाल, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा, सरावगी समाज के अध्यक्ष महावीर अजमेरा, फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा, हरकचंद झंडा, सीताराम कलवाड़ा,हेमराज कलवाड़ा, टीकम गंगवाल, राजेश छाबड़ा, नीरज झंडा, अनिल नला, निखिल लावा, त्रिलोक जैन पीपलू, महेंद्र कुमार जी ब्रह्मचारी शिवाड़, तथा राजाबाबू गोधा सहित सारे श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

अपने पुण्य को प्रबल करने का सबसे बड़ा दिन अक्षय तृतीया: आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन मंदिर वरुण पथ मानसरोवर में अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर परम पूज्या गणिनी आर्यिका गुरु मां विज्ञाश्री माताजी के पावन सानिध्य में भगवान महावीर मंडल विधान का आयोजन किया गया आयोजन से पूर्व परम पूज्य गुरु मां ने उपस्थित जन समुदाय को मंगल आशीर्वाद देते हुए कहां की बांधो बांधो अक्षय तृतीया का पावन पर्व का जैन धर्म में बहुत बड़ा महत्व है क्योंकि हमारे प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ जी को 6 महीने के पश्चात गन्ने के रस से आहार लेने का सयोग बना था इसलिए अक्षय तृतीया के अवसर पर आप भगवान का अभिषेक करे साधु संतों के पडगाहन में आहार चर्या में सहभागिता निभाकर पुण्य का अर्जन कर सकते हैं इस दिन आपके द्वारा किया गया कोई भी धार्मिक कार्य या दान का कार्य आपके जीवन को नई ऊर्जा प्रदान करता है आपके बंद पड़े प्रगति के मार्ग को खोलने में सहयोग प्रदान करता है इसलिए आपसे निवेदन है कि अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर जितना ज्यादा हो सके उतने अधिक पुनीत कार्य करने का प्रयास करें जिससे आपके जीवन का कल्याण हो सके परम पूज्या गुरु मां जब आहार के लिए उतरी तो संपूर्ण मानसरोवर के जन समुदाय ने माताजी का पडगाहन किया यह दृश्य मानसरोवर वासियों के मानस पटल पर हमेशा अंकित रहेगा। मूल नायक भगवान महावीर एवं तीनों वेदियों पर अभिषेक एवं शांति धारा एवं यज्ञ नायक भगवान आदिनाथ जी के गन्ने के रस से अभिषेक एवं शांतिधारा करने का सौभाग्य कैलाश शैलेश राहुल सेठी परिवार सुरेश चंद जैन बांदीकुई वाले मनोज चिरायु बाकलीवाल महावीर प्रसाद संतोष कासलीवाल मुकुट कुमार हेमेंद्र सेठी चंदा देवी महेंद्र कासलीवाल निर्मल भंवरी देवी काला को प्राप्त हुआ।

उदासीन आश्रम द्रोणगिरि में अक्षय तृतीया को हुई महापारणा

रत्नेश जैन रागी. शाबाश इंडिया

द्रोणगिरि सेंधपा। यहां के सुविख्यात उदासीन आश्रम में आज जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ भगवान को मुनि अवस्था में प्रथम बार इक्षु रस से हुए आहार दिवस अक्षय तृतीया के महापर्व पर उपाध्याय मुनि श्री आदिश सागर जी महाराज की अहार महापारणा हुई , जिस अवसर पर अनेक महानुभावों को सौभाग्य प्राप्त हुआ। इसी अवसर पर आज की शांति धारा का सौभाग्य श्रीमती इंदु, विहान जैन सपरिवार वसुंधरा गाजियाबाद उप्र, पल्लव जैन सपरिवार कलकत्ता, ओमप्रकाश जैन, अंशुल जैन सपरिवार तिजारा, चंद्र कुमार अरुणा पियूष सपना कृष पर्ल जैन सपरिवार हैदराबाद के द्वारा संपन्न हुई और महापारणा आहार दान आहारचर्या के पुण्यार्जक परिवार आदीश्वर प्रसाद जैन सपरिवार तिजारा, ओमप्रकाश, अंशुल जैन सपरिवार तिजारा, अखिलेश जैन सपरिवार नोएडा , मौजीलाल जैन सपरिवार नागपुर , चंद्र कुमार अरुणा पियूष सपना कृष पर्ल जैन सपरिवार हैदराबाद श्री चेतन दोषी सपरिवार अकलूज , सुनील प्रखर सपरिवार चेन्नई , नेमिचन्द दगड़ा सपरिवार आसाम, राजेश रागी रत्नेश जैन पत्रकार सपरिवार बकस्वाहा के द्वारा संपन्न हुई। श्री गुरुदत्त दि. जैन उदासीन आश्रम द्रोणगिरि के अधिष्ठाता भागचंद्र जैन पीली दुकान ने बताया कि श्री गुरुदत्तादि सहित साढ़े आठ करोड़ मुनिराजों की निर्वाण स्थली लघु सम्मेद शिखरजी श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र द्रोणगिरि प्रकृति की अदभुत छटा सुरम्य वातावरण श्यामरी नदी के तट पर स्थित श्री गुरुदत्त दिगम्बर जैन उदासीन आश्रम साधना ध्यान तप के लिए सर्व श्रेष्ठ स्थान है , त्यागी वृति आत्म साधना के लिए अग्रसर उदासीन एकल एवं गृहस्थ युगल दंपति सभी के लिए यहां आवास सात्विक शुद्ध आहार औषधि उपचार वैयावृत्ति की श्रेष्ठतम व्यवस्था निःशुल्क रहती है, यहां सभी आत्मसाधना कर आत्म कल्याण का मार्ग प्रशस्त करतें हैं, यहां भव्य सहस्त्रकूट जिनालय भी निर्माणाधीन है। दान की महिमा अचिंत्य बताई है दानों में दान महादान आहार दान है, वह भी महाव्रती त्यागी आत्मसाधना में रत श्रावकों को दिया गया आहार दान का महाफल होता है।

अक्षय पर्व पर सिलिगुड़ी के सुपार्श्वनाथ जिनालय में की पूजा अर्चना

सिलिगुड़ी. शाबाश इंडिया। अक्षय तृतीया पर्व पर फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज के संस्थापक एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अजीत कोठिया तथा महावीर इंटरनेशनल के डुंगरपुर बांसवाड़ा जोन चेयरमैन पृथ्वीराज जैन ने पश्चिमी बंगाल के पर्यटन शहर सिलिगुड़ी के एक मात्र जैन मन्दिर सुपार्श्वनाथ जिनालय में अक्षय तृतीया पर्व पर विशेष पूजा अर्चना कर पंच नमस्कार महामंत्र के जाप किए। कोठिया ने बताया की अक्षय तृतीया पर्व जैन दर्शन के भगवान आदिनाथ ऋषभ देव के प्रथम इक्षु रस आहार दिवस के रूप में मनाया जाता है। आयोजन मे कुसुम कोठिया एवं पुष्पा जैन ने मंगल गीत प्रस्तुत किए। आभार मन्दिर व्यवस्थापिका खुशबू जैन ने व्यक्त किया।

भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव पर पूजा अर्चना कार्यक्रम

नरेश सिगची. शाबाश इंडिया

रावतसर। आज ब्राह्मण समाज द्वारा रावतसर में विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव पर ब्राह्मण पंचायत धर्मशाला में पूजा अर्चना का कार्यक्रम रखा गया। इस दौरान भागीरथ शास्त्री द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार द्वारा भगवान परशुराम जी की प्रतिमा को पंचामृत अभिषेक करवाकर विशेष पूजा अर्चना की गई, इसके बाद प्रसाद का भोग लगाया गया, सभी विप्र जनों ने क्षेत्र में सबके मंगल और कल्याण, सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की। ज्ञात रहे की इससे पहले 8 मई को ब्राह्मण नवयुवक समिति द्वारा जन्मोत्सव के उपलक्ष में भव्य शोभा यात्रा शहर में निकाली, साथ ही प्रतिभा सम्मान समारोह और स्वरूचि भोज का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में ब्राह्मण नवयुवक समिति अध्यक्ष भजन लाल पंचारिया, ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष सुरेंद्र जी पुरोहित, गौरीशंकर बच्छ, भागीरथ शास्त्री, खियाराम जोशी, हनुमान प्रसाद जाजड़ा, समिति कोषाध्यक्ष अरविंद जोशी, आनंद शर्मा, सचिव राजेंद्र दायमा, राकेश शास्त्री, धर्मेंद्र शर्मा, विष्णु जोशी, भूपेंद्र जोशी, राहुल शर्मा, समिति उपाध्यक्ष श्याम पारीक, संजय शर्मा, पुरुषोत्तम जोशी, भरतराम जाजड़ा, रमेश बच्छ, भूपेंद्र, राजेश दायमा, मेनेजर दलीप पंचारिया आदि मौजूद रहे।

भारतीय जैन मिलन महिला इकाई ने अक्षय तृतीया पर्व मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। पीपीभारतीय जैन मिलन महिला इकाई जयपुर द्वाराआज अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर संघी जी के मंदिर सांगानेर में आदिनाथ बाबा के दरबार में भक्तामर विधान का आयोजन अत्यंत भक्ति पूर्वक किया गया। अध्यक्ष पूनम तिलक के नेतृत्व में उपाध्यक्ष सीमा धाड़ूंका कोषाध्यक्ष सीमा जैन संगठन मंत्री विनीता चौधरी सांस्कृतिक मंत्री वंदना पाटनी विशिष्ट सलाहकार सुनीता जैन प्रचार प्रसार मंत्री निधि जैन मेघा जैन, निशा जैन लीला जैन, प्रेरणा जैन, नूतन जैन, मोनिका जैन एवं नेहा जैन ने विधान करके अपने पुण्य को बढ़ाया।

अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ द्वारा राहगिरों को पिलाया ईक्षु रस

जयपुर. शाबाश इंडिया। सामाजिक कार्यक्रम की श्रृंखला मे जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ द्वारा प्रथम तीर्थंकर 1008 श्री आदिनाथ भगवान के प्रथम पारणा दिवस अक्षय तृतीया के दिन राजा श्रेयांस ने आदिनाथ भगवान को ईक्षु रस का आहार दान दे कर पारणा कराया। इस दिन किसी भी रूप में दिया गया दान अक्षय बना रहता है। इस महान दिवस की सार्थकता को ध्यान में रखते हुए ग्रुप द्वारा राहगिरो को ईक्षु रस पिलाने का कार्यक्रम रखा। इस अवसर पर ग्रुप के सदस्यो ने एकत्रित होकर सेवा कार्य में अपना योगदान दिया। ग्रुप अध्यक्ष सुनील सोगानी ने बताया सुबह 8 बजे से ही वंदे मातरम रोड पर आने -जाने वाले लोगों को इस महान पर्व की जानकारी देते हुए गन्ने का रसपान कराया। इस अवसर पर ग्रुप के सचिव विशुतोष चाँदवाड़, कार्यकारिणी सदस्य मनीष बिलाला, महावीर प्रसाद जैन, रमेश पाटनी, सुनिल बडजात्या, धर्मेंद्र जैन, मुनिया सोगानी, प्रमिला सोगानी, संगीता पाटनी, बबीता बडजात्या, और ग्रुप परिवार के अलावा उषा जैन व अन्य साधर्मी बंधुओं ने अपना योगदान देकर सहभागिता निभाई।

जैन मिलन सेंट्रल ने अक्षय तृतीया पर्व मनाया

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

श्री ऋषभदेव भगवान के दीक्षा उपरांत प्रथम आहार दिवस के उपलक्ष्य में अक्षय तृतीया पर श्री 1008 आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर बैठा देव ग्राम तूमेन में भगवान के अभिषेक शांति धारा उपरांत जैन मिलन सेंट्रल शाखा अशोकनगर द्वारा शीतल आइसक्रीम का वितरण किया गया। अध्यक्ष वीरेंद्र जैन अथाईखेड़ा, मंत्री सुनील जैन बेलई,कोषाध्यक्ष संजय जैन कन्हेरा ने बताया कि कार्यक्रम में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष कैंची, संयुक्त मंत्री महेंद्र कडेसरा, संयोजक प्रमोद छाया, संतोष सिन्नी, जितेंद्र जैन शिक्षक, सुनील जैन कोठारी, मनोज जैन बहादुरपुर, संजय सिंघई, सचिन जैन बारी, नीलेश जैन सहित अन्य वीर बंधुओ सहभागिता की। आदिनाथ भगवान की प्रतिमा पर सौधर्म इंद्र बनकर प्रथम शांति धारा अभिषेक करने का सौभाग्य हमारे राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष जैन कैंची को प्राप्त हुआ।

अक्षय तृतीया पर क्रांतिवीर 108 मुनिश्री प्रतीक सागर का मुरलीपुरा में हुआ महापारना

जयपुर. शाबाश इंडिया

पुष्पगिरी प्रणेता गणाचार्य 108 श्री पुष्पदंत सागर गुरुदेव के शिष्य क्रांतिवीर 108 मुनिश्री प्रतीक सागर जी का मंगल प्रवेश दिनांक 9 मई को गाजे बाजे के साथ श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर मंदिर मुरलीपुरा में हुआ। अक्षय तृतीया पर दिनांक 10 मई, शुक्रवार को प्रातः 8 बजे मंगल प्रवचन के पश्चात मुरलीपुरा में बनी कृत्रिम हस्तिनापुर नगरी में आहार पर निकले गुरुदेव को 40 से अधिक परिवारों ने पड़गहन विधि से आहार के लिए आमंत्रित किया , मंदिर समिति के महामंत्री नीरज जैन ने बताया कि अक्षय तृतीया का जैन धर्म में बड़ा महत्व है, इस दिन जैन धर्म के संस्थापक प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का इक्षु रस से पारणा हुआ था।

अक्षय तृतीया पर किया सेवा दान

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री मुनि सुव्रत नाथ फाउंडेशन द्वारा अक्षय तृतीया पर्व जन सेवा सम्बंधित विभिन्न कार्य किये गए। समन्वयक अभिषेक सांघी ने बताया कि दान दिवस के मौके पर महल योजना स्थित पार्क में सार्वजनिक प्याऊ का उद्घाटन तथा पक्षियों के लिए परिंडो का वितरण किया गया। तत्पश्चात प्राकृत भारतीय अकादमी में विज्ञान, लॉ, इंजीनियरिंग, नीट, कला इत्यादि विषयों एवं प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित 500 से अधिक पुस्तकों का संकलन भेंट किया गया। साथ ही जैन मंदिर खिंदुकान से प्राप्त लगभग 300 वर्ष प्राचीन हस्त लिखित पांडुलिपि, पुरातन शास्त्र, धार्मिक पुस्तकें भी संरक्षण हेतु अकादमी को उपलब्ध करवाई। इस अवसर पर मैंना गंगवाल, धीरेंद्र, मोना जैन, आयुष, रूपेश, अशोक, अंकित मित्रपुरा, मीनाक्षी, पिंकल, नवीन रितु बड़जात्या, वैभव स्वाति जैन आदि उपस्थित रहे। अकादमी से डॉ रीना बैद द्वारा फाउंडेशन के सभी पदाधिकारियों एवं वॉलिंटियर्स का अभिवादन किया गया।

लाडनूं जैन समाज ने नीम का थाना में वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव में भाग लिया

राज पाटनी. शाबाश इंडिया

लाडनूं । दिगंबर जैन समाज के सदस्यों के एक यात्रासंघ ने श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर अतिशय क्षेत्र नीम का थाना में आयोजित भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव में भाग लिया। इस आयोजन में अभिषेक, नित्य पूजन, वास्तु विधान, ध्वजारोहण, हवन,मंदिर का इतिहास,सम्मान समारोह,प्रीतिभोज, सहित अनेक अनुष्ठान आयोजित किए गए। जिसमें लाडनूं जयपुर सीकर सहित अनेक स्थानों के श्रावकों ने उत्साह व श्रद्धापूर्वक भाग लिया। मुख्य आयोजन में लाडनूं के परिवारों के सौजन्य से नवीन वेदी में भगवान चंद्रप्रभु की अतिशयकारी प्रतिमा विराजमान, ध्वजारोहण, दीप प्रज्जवलन, चित्र अनावरण तथा पंचमेरु प्रतीक विराजित किये गये। लाडनूं जैन समाज के सदस्यों ने यात्रा के अगले चरण में खंडेला व रेवासा जिनालयों के दर्शन किए। यात्रा संघ में समाज के सुरेश कासलीवाल, रंजीत कासलीवाल, राजकुमार मच्छी, बाबूलाल सेठी,नरेंद्र कासलीवाल,श्रीपाल सेठी, राजकुमार जैनाग्रवाल, श्रीपाल सेठी संतोष सेठी पदम जैनाग्रवाल, राज पाटनी, रजनीश मच्छी, अरिहंत सेठी, विशाल मच्छी आतम जैनाग्रवाल, रोनक जैनाग्रवाल, मोहित जैनाग्रवाल रतनी देवी बड़जात्या, मनफूल मच्छी, सुशीला कासलीवाल, किरण बड़जात्या, अमिता पांड्या,चंदा कासलीवाल,मेघा मच्छी,वीणा गंगवाल,मिन्टू सेठी,अंजू कासलीवाल,चारु गंगवाल, सहित लगभग 70 सदस्य सम्मिलित हुए।

मुनि संघ को इक्षु रस का आहार देकर मनाया गया अक्षय तृतीया पारण महोत्सव

आचार्य श्री शशांक सागर जी ससंघ के पिच्छिका परिवर्तन समारोह में गुरु भक्त झूमे भक्ति में

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपूरी - ज्योतिनगर जैन मंदिर अक्षय तृतीया के पावन दिन जयपुर का एक मात्र स्थान रहा जहाँ मुनि संघ का भक्तों को पावन सानिध्य मिला। प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला अनुसार शुक्रवार अक्षय तृतीया को पारण व दान पर्व के साथ आचार्य श्री 108 शशांक सागर जी का अवतरण दिवस व संघ का पिच्छिका परिवर्तन समारोह भक्ति भाव के साथ मनाया गया । इस दिन प्रातः अभिषेक शांति धारा से समारोह शुरू हुआ जो मंगल आरती व उपस्थित जनों को इक्षु रस वितरण के साथ समाप्त हुआ ।इस बीच भक्ति व संगीत के साथ पूजन पाद प्रक्षालन, शास्त्र भेंट, आशीर्वचन, पिच्छिका परिवर्तन व अतिथि सम्मान आदि हुआ ।इधर भक्त जनों ने संघ का पड़गाहन कर को इक्षु रस का आहार दिया ।

समारोह के सोभाग्यशाली परिवार

प्रातः बीजाक्षर युक्त विश्व शांति कारक शान्तिधारा करने का सोभाग्य पदम पारस पहुप जैन बिलाला परिवार को - आचार्य श्री शशांक सागर जी के पाद प्रक्षालन एवम् उनको नई पीच्छिका देने व पुरानी लेने का सौभाग्य बाबूलाल राजीव मयंक जैन लेवाली वाले परिवार को -संघ को शास्त्र भेंट करने का पुण्य लाभ बसंत कुमार बिना देवी जैन गायत्री नगर परिवार को - तथा संघस्थ मुनि श्री संदेश सागर जी को नई पीच्छिका देने व पुरानी लेने का सौभाग्य अजय कुमार शकुंतला जैन लवकुश नगर परिवार को प्राप्त हुआ ।

भक्ति मय गुरु पूजन

अक्षय तृतीया व गुरु पूजन भक्ति के साथ झूमते हुए साज बाज के साथ ब्र. डॉ. चंद्र प्रभा जैन, प. रोहित शास्त्री सांगानेर संस्थान व युवा गायक जितु गंगवाल प्रताप नगर द्वारा संपन्न करायी गई तथा पूर्व व वर्तमान आचार्यों के अर्घ समर्पित किए गए ।

आचार्य श्री ने अक्षय तृतीया को बताया दान पर्व

आचार्य श्री ने अक्षय तृतीया के बारे में समझाते हुए कहा की भगवान आदिनाथ ने सबसे पहले समाज में दान के महत्व को समझाया था और दान की शुरूआत की थी.। भगवान आदिनाथ राज-पाट् का त्याग करके वन में तपस्या करने निकल गए थे. उन्होंने वहां 6 महीने तक लगातार ध्यान किया था. 6 महीने बाद जब उन्होंने सोचा कि इस समाज को दान के बारे में समझाना चाहिए तो वे ध्यान से उठकर आहार मुद्रा धारण करके नगर की ओर निकल पड़े थे. ।जैन धर्म में अक्षय तृतीया के दिन लोग आहार दान, ज्ञान दान, औषधि दान या फिर मंदिरों में दान करते हैं. जैन धर्म की मान्यता है कि भगवान आदिनाथ ने इस दुनिया को असि-मसि-कृषि वाणिज्य व शिल्प के बारे में बताया था. इसे आसान भाषा में समझें तो असि यानि तलवार चलाना, मसि यानि स्याही से लिखना, कृषि यानी खेती करना होता है. भगवान आदिनाथ ने ही लोगों को इन विद्याओं के बारे में समझाया और लोगों को जीवन यापन के लिए इन्हें सीखने का उपदेश दिया था. आचार्य श्री ने अंत में कहा कि वास्तव में तो मेरा अवतरण दिगंबर मुद्रा धारण करने के दिन हुआ है। इसके साथ ही आचार्य श्री ने सभी को आशीर्वाद प्रदान किया।

समारोह में गरिमामय उपस्थिति

दिगंबर जैन महासभा राजस्थान के अध्यक्ष कमल बाबू जैन, युवा महा सभा के अध्यक्ष प्रदीप लाला, राजस्थान जैन सभा के मंत्री विनोद जैन कोटखावदा व जितेंद्र गंगवाल, गायत्री नगर मन्दिर अध्यक्ष कैलाश छाबड़ा व मंत्री राजेश जैन, प्रताप नगर मुनि भक्त महेश सेठी , डीसीएम समाज के श्रेष्ठी प्रमेश जैन व राजीव पाटोदी, पदमपुरा कमेटी उपाध्यक्ष सुरेश काला, सुशील जैन लालकोठी , वरिष्ठ पत्रकार वी बी जैन, सम्यक ग्रुप के डा. इंद्र कुमार, महावीर बोहरा, राजेश बडजात्या, निर्मल संघी, धर्म जागृति संस्थान के ज्ञान चंद जैन, राजेश गंगवाल,अनिल जैन आईपीएस, महेश काला, सोभाग अजमेरा , जैन बैंकर्स फोरम के प्रकाश गंगवाल , देवेंद्र कासलीवाल , राजेंद्र ठोलिया , ललित गोधा आदि स्थानों के श्रद्धालुओं की महत्ती सहभागिता रही।

समर सेवा प्रोजेक्ट में बांटे 314 जोड़ी जूते

उदयपुर. शाबाश इंडिया। भीषण गर्मी में बच्चो के पैर सुरक्षित रहे इसके लिए जैन सोशल ग्रुप अनंता की ओर से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पुरोहितों की मादडी में बच्चो को जूते वितरित किये गए ।विद्यालय परिवार ने अनंता परिवार का उपरना पहनाकर स्वागत किया। अध्यक्ष डा शिल्पा नाहर ने बताया कि 314 जोड़ी जूते बच्चों के लिए भेंट किए गए। अनंता के सदस्यों ने नन्हे विद्यार्थिओ को अपने हाथो से पादुका पहनाकर खुशी का अनुभव किया। इस अवसर पर गजेन्द्र जोधावत , विनोद पगारिया, ललित, भावना कच्छारा,जिनेंद्र मेहता , सुनील जैन , अरुण कटारिया अनिल- मंजु नागोटा , नितिन -सोनिका सिंघवी , महेश नाहर,लोकेश तलेसरा उपस्थित थे ।

अक्षय तृतीया पर पूर्ण हुई वर्षीतप की साधना, तपस्वियों ने किया इक्षुरस से पारणा

पारणे से पूर्व वर्षीतप आराधकों का निकाला वरघोड़ा, उमड़े श्रावक-श्राविकाएं

शांतिभवन में धर्ममय माहौल में अक्षय तृतीया पारणा महोत्सव का आयोजन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर शुक्रवार को श्री वर्द्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ शांतिभवन के तत्वावधान में अक्षय तृतीया पारणा महोत्सव धर्ममय माहौल में साध्वी मण्डल के सानिध्य में मनाया गया। वर्षीतप की साधना पूर्ण होने पर प्रवचन के बाद 44 तपस्वियों को इक्षुरस से पारणा कराया गया। पारणा महोत्सव की शुरूआत शुक्रवार सुबह 6.15 बजे राजेन्द्र मार्ग रोड स्थित लक्ष्मी पैलेस से वर्षीतप आराधक तपस्वियों के सम्मान में वरघोड़ा निकाले जाने के साथ हुई। सुबह 9 बजे से प्रवचन में शासन प्रभाविका राजस्थान प्रवर्तिनी साध्वी शिरोमणी पूज्य यशकंवरजी म.सा. की सुशिष्या सेवाभावी महासाध्वी पारसकंवरजी म.सा., उप प्रवर्तिनी साध्वी मैनाकंवरजी म.सा., महासाध्वी मधुकंवरजी म.सा., साध्वी कांताकंवरजी, साध्वी प्रतिभाकंवरजी, साध्वी पुष्पलताजी, साध्वी सुप्रभाजी, साध्वी मणिप्रभाजी, साध्वी कमलप्रभाजी, साध्वी ज्योतिप्रभाजी, साध्वी सुमनप्रभाजी, साध्वी डॉ.चिंतनश्रीजी, साध्वी रूचिकाश्रीजी, साध्वी मुदिताश्रीजी म.सा. आदि ठाणा का सानिध्य प्राप्त हुआ। प्रवचन में उप प्रवर्तिनी मैनाकंवरजी म.सा. ने कहा कि अक्षय तृतीया का प्रसंग भगवान ऋषभदेव को श्रेयांसकुमार द्वारा इक्षुरस से पारणा कराने से भी जुड़ा है। वर्षीतप की आराधना करने वाले तपस्वियों के साथ तपस्वी को पारणा कराने का लाभ लेने वाले भी अनुमोदनीय है। जो तपस्या नहीं कर सकते वह तपस्वी की अनुमोदना तो कर ही सकते है। तपस्या करने से तन ओर मन दोनों निर्मल हो जाते और आत्मशुद्धि होती है। धर्मसभा में महासाध्वी मधुकंवरजी म.सा., साध्वी मणिप्रभाजी म.सा. आदि ने भी धर्मसंदेश प्रदान करते हुए तपस्वियों की अनुमोदना करते हुए कहा कि तपस्या कर्मनिर्जरा का श्रेष्ठ माध्यम है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए समाजसेवी महावीरसिंह चौधरी ने तपस्वियों की अनुमोदना करते हुए कहा कि तपस्या करने वालों का सम्मान का अवसर भाग्य से ही प्राप्त होता है। स्वागत उद्बोधन शांतिभवन श्रीसंघ के अध्यक्ष महेन्द्र छाजेड़ ने किया। समारोह के मुख्य अतिथि समाजसेवी मीठालाल सिंघवी थे। विशिष्ट अतिथि हेमन्तकुमार आंचलिया, लक्ष्मणसिंह बाबेल थे। स्वागत गीत शांति जैन महिला मण्डल ने प्रस्तुत किया। संचालन शांतिभवन श्रीसंघ के मंत्री सुशील चपलोत ने किया। समारोह में नगर परिषद की पूर्व सभापति मंजू पोखरना, भूपेन्द्र पगारिया, अशोक पोखरना, मुकेश डांगी, श्रवणसिंह खारीवाल, हेमंत बाबेल, प्रदीप पारख, महावीर बापना बीगोद, मूलचंद डांगी माण्डलगढ़, सुशील सुराणा बेंगू आदि भी मौजूद थे। प्रवचन के बाद वर्षीतप आराधकों का शांतिभवन श्रीसंघ के पदाधिकारियों द्वारा बहुमान किया गया। बहुमान करने वालो में शांतिभवन श्रीसंघ के अध्यक्ष महेन्द्र छाजेड़, उपाध्यक्ष ललित बाबेल, मंत्री सुशील चपलोत, कोषाध्यक्ष रविन्द्र सिंघवी के साथ श्री महावीर युवक मण्डल सेवा संस्थान के संरक्षक मनोहरलाल सूरिया, अध्यक्ष पुखराज चौधरी, मंत्री नितिन बापना, श्री शांति जैन महिला मण्डल की संरक्षक मधु मेड़तवाल, अध्यक्ष जूली सूरिया, मंत्री राखी खमेसरा आदि शामिल थे। संघ द्वारा बहुमान के बाद वर्षीतप तपस्वियों को परिवारजनों के साथ श्रावक-श्राविकाओं ने भी इक्षुरस से पारणा करा अनुमोदना का लाभ प्राप्त किया। पारणा कराने के लिए प्रत्येक तपस्वी के लिए अलग-अलग बैठक व्यवस्था श्रीसंघ द्वारा की गई थी। पारणे के बाद गौतम प्रसादी का आयोजन किया गया। गौतम प्रसादी की व्यवस्था में शांतिभवन श्रीसंघ के साथ शांति जैन महिला मण्डल एवं महावीर युवक मण्डल की पूरी टीम का भी सहयोग मिला। छाछ काउंटर का दायित्व बापूनगर श्रीसंघ की टीम ने संभाला। समारोह में भीलवाड़ा शहर के विभिन्न क्षेत्रों के साथ माण्डलगढ़, बीगोद, शाहपुरा, कोटड़ी, बेंगू, जोधपुर, चित्तौड़गढ़, गंगापुर, बनेड़ा, ब्यावर, भीम आदि स्थानों के श्रावक-श्राविकाएं भी मौजूद थे।

मालवीय नगर में इक्षु रस वितरण किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन महासमिति, मालवीय नगर संभाग के अध्यक्ष अजीत बड़जात्या ने बताया कि प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ भगवान ने 13 माह पश्चात आहार चर्या की शुरूआत अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर इक्षु रस से की थी। इसी उपलक्ष्य में दिगम्बर जैन महासमिति, मालवीय नगर संभाग में जनसाधारण को इक्षु रस पिलाने के कार्यक्रम का प्रारम्भ शिरोमणि संरक्षक, पूर्व अध्यक्ष राजस्थान अंचल उत्तम कुमार पांड्या द्वारा किया गया। सम्पूर्ण कार्यक्रम में शानदार सहयोग एवं संयोजन मालवीय नगर संभाग के कोषाध्यक्ष अरुण-मंजू काला एवं युवा प्रकोष्ठ मंत्री कोणार्क -वैशाली काला द्वारा किया गया। इस अवसर पर अन्य गणमान्य व्यक्तियों के अलावा दिगम्बर जैन महासमिति, राजस्थान अंचल के अध्यक्ष अनिल जैन (आई पी एस), एवम कार्याध्यक्ष णमोकार जैन ने गरिमामयी उपस्थिति दी।

अक्षय तृतीया पर भक्तामर विधान किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्र प्रभ जी दुर्गापुरा में आज अक्षय तृतीया के उपलक्ष्य में वृहद भक्तामर विधान का आयोजन मंदिरजी द्वारा डां शान्ति जैन 'मणि' की प्रेरणा से किया गया। जिसमें करीब 50 श्रावक- श्राविकाओं ने भाग लिया। इस आयोजन का श्रेय मंदिरजी के मंत्री राजेन्द्र काला, कैलाश सौगाणी, कैलास रानीपुरा वाले व डां.एम.एल जैन 'मणि' को जाता है। मंडल के लिए विधान व अर्ध डां शान्ति जैन 'मणि' व श्रीमति कैलास सौगानी ने उच्चारित किये। सभी श्रावक-श्राविकाओः ने बडे मनोयोग से विधान किया व मंडल पर बारी-बारी से सभी ने अर्ग चढाये। विधान की व्यवस्थायें डां मनीष 'मणि'-डां अलका जैन ने की व सहयोग श्रीमति शैला जैन का रहा।अन्त में श्रीजी की आरती की व सभी ने अल्पाहार किया। सभी को इच्छुरस श्रीमति पुष्पाजी सोगाणी द्वारा उपलब्ध कराया गया।अन्त में मंदिर अध्यक्ष श्री प्रकाश जी चांदवाड व मंत्री श्री राजेन्द्र काला ने सभी का आभार व्यक्त किया।मंदिर की व्यवस्थायें मैनेजर राजेन्द्र व जगदीश ने की।

एंबीशन किड्स ने मदर्स डे और वर्ड टेक्नोलोजी डे किया सेलिब्रेट

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रतापनगर श्योपुर रोड स्थित एंबीशन किड्स एकेडमी में एक रंगारंग कार्यक्रम को माँ की ममता भरी छाव के रूप में डेडीकेट किया। जिसमें एम्बीशन किड्स ने माँ की ममता को विभिन्न तरीके से अभिव्यक्त किया। इसमें प्राइमरी किड्स ने माँ विषय पर कविता तथा एकल नृत्य तथा प्री प्राइमरी किड्स द्वारा सामुहिक नृत्य प्रस्तुत किया। जिसमें - माँ मेरी मां तू मेरा लाडला, तू कितनी अच्छी है तू कितनी भोली है प्यारी माँ, मेरी प्यारी अम्मी आदि नगमें शामिल थे।उपाचार्या अनीता जैन ने बताया कि कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण एक लघुनाटिका थी। चार्वी, तनिष्का और तेजस्वनी द्वारा इस लघुनाटिका ''ऑचल की छाव'' के माध्यम से माँ के समर्पण भाव को मूर्त रूप में प्रस्तुत कर सभागार में उपस्थित सभी दर्शकों को भावविभोर कर दिया। एंबीशन किड्स ने अपनी टीचर्स के सहयोग से इस अवसर पर अपनी मां के लिए एक कार्ड भी बनाया और माँ के प्रति स्नेह को व्यक्त किया। प्राचार्या डॉ अलका जैन ने बताया कि वर्ल्ड टेक्नोलॉजी डे की पूर्व संध्या पर एंबीशन किड्स में साइंस एंड टेक्नोलॉजी क्विज का भी आयोजन किया गया ,जिसमें 6 टीमों ने हिस्सा लिया तथा चार अलग-अलग राउंड के माध्यम से फाइनल में बेस्ट थ्री टीम्स का सेलेक्शन किया गया। फाइनल में दो राउंड्स थे जिसमें नेगेटिव मार्किंग भी शामिल थी। इस कड़े मुकाबले में विजयी टीम में युगांक, युवराज, नित्या, रूपांश, उदित और दिग्विजय शामिल थे। फाइनल में जीतने वाली विनिंग टीम को एंबीशन किड्स एकेडमी अध्यक्ष - डॉ मोहनलाल जैन मणि द्वारा विशेष पुरुस्कार से सम्मानित किया तथा सभी प्रतिभागियों एवं टीचर्स को भी प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पुरुस्कृत किया गया। कार्यक्रम के समापन पर निदेशक डॉ. मनीष जैन ने सभी विद्यार्थियों को कडी मेहनत और ईमानदारी से दिए गए टास्क को पूरा करने के लिए मोटीवेट किया और स्टाफ मेंबर्स को इस क्रियेटिव प्रोग्राम को ओगेर्नाइज करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।